

Документ подписан простой электронной подписью  
Информация о владельце:  
ФИО: Наумова Наталия Александровна  
Должность: Ректор  
Дата подписания: 24.10.2024 14:21:41  
Уникальный программный ключ:  
6b5279da4e034bff679172803da5b7b559fc69e2

МИНИСТЕРСТВО ПРОСВЕЩЕНИЯ РОССИЙСКОЙ ФЕДЕРАЦИИ

Федеральное государственное автономное образовательное учреждение высшего образования  
"Государственный университет просвещения"

(Государственный университет просвещения)

План одобрен Ученым советом  
Государственного университета просвещения

Протокол № 06 от 18 апреля 2024г.

## УЧЕБНЫЙ ПЛАН

по программе бакалавриата

44.03.05

Направление подготовки 44.03.05 Педагогическое образование (с двумя профилями подготовки)

Профиль: Начальное образование и иностранный язык (английский + немецкий или французский, или китайский языки)

Факультет: Дошкольного, начального и специального образования

|                               |                                          |
|-------------------------------|------------------------------------------|
| Квалификация Бакалавр         |                                          |
| Форма обучения Очная          |                                          |
| Срок получения образования 5л |                                          |
| +                             | Типы задач профессиональной деятельности |
| +                             | педагогический                           |
| +                             | проектный                                |
| +                             | методический                             |
| +                             | организационно-управленческий            |
| +                             | культурно-просветительский               |
| +                             | сопровождения                            |

Год начала подготовки (по учебному плану)  
Образовательный стандарт (ФГОС)

2024  
№ 125 от 22.02.2018

### СОГЛАСОВАНО

Начальник управления организации и контроля  
качества образовательной деятельности

Декан факультета



И.о. ректора

И.А. Кокоева

2024 г.

/ М.А. Миненкова/  
/ О.И. Кабалина/

| № п/п | Наименование | Период 2017-2018 |  | Период 2019-2020 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2021-2022 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2023-2024 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2025-2026 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2027-2028 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2029-2030 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2031-2032 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2033-2034 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2035-2036 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2037-2038 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2039-2040 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2041-2042 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2043-2044 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2045-2046 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2047-2048 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2049-2050 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2051-2052 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2053-2054 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2055-2056 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2057-2058 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2059-2060 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2061-2062 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2063-2064 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2065-2066 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2067-2068 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2069-2070 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2071-2072 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2073-2074 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2075-2076 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2077-2078 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2079-2080 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2081-2082 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2083-2084 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2085-2086 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2087-2088 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2089-2090 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2091-2092 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2093-2094 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2095-2096 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2097-2098 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2099-2100 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2101-2102 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2103-2104 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2105-2106 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2107-2108 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2109-2110 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2111-2112 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2113-2114 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2115-2116 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2117-2118 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2119-2120 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2121-2122 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2123-2124 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2125-2126 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2127-2128 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2129-2130 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2131-2132 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2133-2134 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2135-2136 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2137-2138 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2139-2140 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2141-2142 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2143-2144 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2145-2146 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2147-2148 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2149-2150 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2151-2152 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2153-2154 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2155-2156 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2157-2158 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2159-2160 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2161-2162 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2163-2164 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2165-2166 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2167-2168 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2169-2170 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2171-2172 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2173-2174 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2175-2176 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2177-2178 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2179-2180 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2181-2182 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2183-2184 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2185-2186 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2187-2188 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2189-2190 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2191-2192 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2193-2194 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2195-2196 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2197-2198 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2199-2200 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2201-2202 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2203-2204 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2205-2206 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2207-2208 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2209-2210 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2211-2212 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2213-2214 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2215-2216 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2217-2218 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2219-2220 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2221-2222 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2223-2224 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2225-2226 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2227-2228 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2229-2230 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2231-2232 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2233-2234 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2235-2236 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2237-2238 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2239-2240 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2241-2242 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2243-2244 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2245-2246 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2247-2248 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2249-2250 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2251-2252 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2253-2254 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2255-2256 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2257-2258 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2259-2260 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2261-2262 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2263-2264 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2265-2266 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2267-2268 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2269-2270 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2271-2272 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2273-2274 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2275-2276 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2277-2278 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2279-2280 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2281-2282 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2283-2284 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2285-2286 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2287-2288 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2289-2290 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2291-2292 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2293-2294 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2295-2296 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2297-2298 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2299-2300 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2301-2302 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2303-2304 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2305-2306 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2307-2308 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2309-2310 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2311-2312 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2313-2314 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2315-2316 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2317-2318 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2319-2320 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2321-2322 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2323-2324 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2325-2326 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2327-2328 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2329-2330 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2331-2332 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2333-2334 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2335-2336 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2337-2338 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2339-2340 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2341-2342 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2343-2344 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2345-2346 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2347-2348 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2349-2350 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2351-2352 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2353-2354 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2355-2356 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2357-2358 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2359-2360 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2361-2362 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2363-2364 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2365-2366 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2367-2368 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2369-2370 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2371-2372 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2373-2374 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2375-2376 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2377-2378 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2379-2380 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2381-2382 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2383-2384 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Период 2385-2386 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|-------|--------------|------------------|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
|-------|--------------|------------------|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|